अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
01	पशुपालन विभाग के क्रियाकलाप	01
02	वर्ष 2007–08 से 2012–13 तक के पशुजन्य पदार्थों के आंकड़े एवं वर्ष 2013–14 के अनुमान	01
03	पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड का राज्य, मण्डल तथा जनपद स्तरीय संगठनात्मक प्रशासनिक ढांचा	02
04	पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड एक दृष्टि में	03
05	पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड के अंतर्गत समूहवार स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों का विवरण	03
06	पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण	04–09
07	आउटकम बजट 2012–13	10–16

पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड का आउटकम बजट वर्ष 2013–14

कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय परम्परागत रूप से उत्तराखण्ड राज्य के लोगों की आजीविका का साधन रहा है। पशुपालन विभाग का मूल उद्देश्य प्रदेश में उपलब्ध पशुधन को उन्नतशील बनाने एवं उनकी उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले निर्बल आय वर्ग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर उन्हें गरीबी की रेखा से ऊपर उठाना है। पशुपालन कार्यक्रमों का प्रसार एवं विस्तार करने हेतु पशुपालन विभाग द्वारा समय–समय पर अनेकों कार्यक्रम चलाये जाते रहे है। 18वीं पशुगणना के अन्तिम ऑकड़ों के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य के लगभग 51.46 लाख पशुओं एवं 26.02 लाख कुक्कुट पक्षियों को आवश्यक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य रक्षा, उन्नत प्रजनन की सुविधा उपलब्ध कराने, भेड़–विकास कार्यक्रमों की सुदृढ़ीकरण, कुक्कुट विकास एवं चारा विकास आदि कार्यक्रमों का विस्तार कर राज्य में दुग्ध, अण्डा, मांस एवं ऊन उत्पादन में बृद्धि कर प्रदेश व देश की आवश्यकता की पूर्ति करना है।

पशुपालन विभाग के क्रियाकलाप

- .पशुपालकों के पशुओं को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।
- पशुपालकों को उन्नत नस्ल एवं उत्तम गुणवत्ता के पशु उपलब्ध करवाकर उनकी आय में वृद्वि करना और उन्हें रोजगार/स्वरोजगार के संसाधन सुलभ कराना।
- पशुओं के अनुवांशिक गुणों में वृद्वि करना तथा पशुधन की स्थानीय नस्लों को संरक्षित सुरक्षित रखने के लिए पशुपालकों को प्रोत्साहित करना।
- दूध, अण्डा, कुक्कुट मांस एवं अन्य पशुजन्य भोज्य पदार्थो के उत्पादन में वृद्वि करना तथा मानव आहार में पशुजन्य प्रोटीन की मात्रा में वृद्वि करना।
- पशुधन विकास कार्यक्रमों में महिलाओं की सहभागिता में बढ़ोत्तरी तथा ग्रामीण पशुपालकों को पोषण समर्थन एवं उनकी पूरक आय में अभिवृद्वि करना तथा उनके लिए ग्रामीण
- पशुओं के भरण–पोषण तथा उत्पादन में वृद्वि के लिए पशु आहार तथा चारा स्त्रोतों में बढोत्तरी करना और उनके लिए सस्ता पशु आहार विकसित व उपलब्ध कराना।

पशुपालन विभाग, उत्तराखण्डः एक दृष्टि में

क्र0	विवरण	संख्या	क्र0	विवरण	संख्या
1	पशुचिकित्सालय	308	16	कार्यरत बोर्ड	
2	"द" श्रेणी पशुचिकित्सालय	12		1. लाईवस्टॉक डेवलपमेन्ट बोर्ड	01
3	पशु सेवा केन्द्र	744		2. भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड	01
4	कृत्रिम गर्भाधान केन्द	625		3. पशु कल्याण बोर्ड	01
5	भेड़ प्रक्षेत्र	12		4.गौ सेवा आयोग	01
6	अंगोरा बकरी प्रक्षेत्र	01	17	पशुगणना–2007	
7	पशुधन प्रक्षेत्र	03		गोवंशीय पशुओं की संख्या	22.35 लाख
8	कुक्कुट प्रक्षेत्र	07		महिषवंशीय पशुओं की संख्या	12.20 लाख
9	अंगोरा शशक प्रक्षेत्र	05		भेड़ो की संख्या	2.90 लाख
10	सघन कुक्कुट विकास प्रायोजना	08		बकरियों की संख्या	13.35 लाख
11	भेड़ एवं ऊन प्रसार क्रेन्द्र	113		घोड़े/ट्टूओं की संख्या	0.15 लाख
12	रोग निदान प्रयोगशाला	06		खच्चरों/गधों की संख्या	0.25 लाख
13	सूकर प्रक्षेत्र	02		सूकरों की संख्या	0.20 लाख
14	ऊन श्रेणीकरण केन्द्र	01		कुत्तों की संख्या	2.52 लाख
15	ऊन विश्लेषण प्रयोगशाला	01		कुक्कुट पक्षियों की संख्या	26.02 लाख

वर्ष 2007–08 से 2012–13 तक के विभिन्न पशुजन्य पदार्थो/उत्पादों के आंकड़े एवं वर्ष 2013–14 के अनुमान

क0स0	मद	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14 अनन्तिम
1	दुग्ध उत्पादन(ह0मी0ट0में)	1221	1230	1377	1383	1417	1489	1583
2.	अण्डा उत्पादन (लाख संख्या)	1911	1962	2536	2614	2712	3036	3415
3.	ऊन उत्पादन (ह0कि0में)	360	368	353	362	371	380	395
4.	मीट उत्पादन(लाख कि0ग्रा0में)	78	96	99	142	157	149	154

पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत समूहवार स्वीकृत/कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

क0स0	पदनाम	पुनर्गठन से पूर्व	पुनर्गठन के बाद		
		स्वीकृत पद	स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद
1.	समूह– ''क''	18	196	187	09
2.	समूह– ''ख''	424	352	209	143
3.	समूह– ''ग''	1630	1737	1004	733
4.	समूह– ''घ''	1891	830	1335	00
	योगः–	**3963**	**3115**	**2693**	**885**

पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण

आयोजनागत योजनायें

अ–जिला सेक्टर योजनायें–

1. पशु चिकित्सा सम्बन्धी सेवायें एवं स्वास्थ्य–

1.1. पशु चिकित्सा हेतु दवा वैक्सीन आदि क्रय/शिविरों का आयोजन–

इस योजनान्तर्गत राज्य के 291 पशु चिकित्सालयों एवं 584 पशु सेवा केन्द्रों पर आवश्यक औषधियों, उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने/घाटी वाले क्षेत्रों में पशुओं में किड़िया रोग के प्रकोप से लीवर एवं रक्त में इस रोग के पैरासाइट होने से पशुओं में रक्त की कमी, सूजन, कमजोरी व दूध उत्पादन में कमी को दूर करने हेतु सामूहिक दवापान/विभिन्न बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु समय–2 पर पशुओं में टीकाकरण हेतु वैक्सीन क्रय/दुधारू पशुओं में पौष्टिक आहार की कमी, जननेन्द्रियों की अपुष्ट संरचना, जन्म से उत्पन्न अन्य शारीरिक विकार आदि कारणों से उत्पन्न बांझपन की समस्या को शिविरों का आयोजन कर दूर करने/डेरी विकास विभाग द्वारा स्थापित दुग्ध समितियों के मार्गों पर उपलब्ध पशुओं को चिकित्सा, टीकाकरण आदि की सुविधा पशुपालक के द्वार पर ही उन्हें उपलब्ध करायी जा रही है।

1.2. पशु चिकित्सालयों व पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना–

पशुपालकों के पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों की रोकथाम हेतु राज्य गठन के उपरान्त माननीय जनप्रतिनिधियों की मॉग पर 23 पशु चिकित्सालयों एवं 40 पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना विभिन्न जनपदों के पशुपालकों के पशुओं को उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु खोले गये हैं।

1.3. पशु चिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण–

पशुपालन विभाग की विभिन्न संस्थायें, जो वर्तमान में किराये के भवनों में चल रही हैं, में भवन स्वामी द्वारा पशुओं के आवागमन एवं पशु चिकित्सा हेतु आवश्यक अड़गड़े आदि को संयोजित करने में आपत्ति करने के कारण पशुपालकों के बहुमूल्य पशुधन को यथावश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। पशुपालकों के बहुमूल्य पशुधन को उचित चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवनों में व्यवस्थित करने के उद्धेश्य से योजना चलाई जा रही है।

2. पशुधन विकास–

2.1. वर्तमान कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण एवं स्थापना–

पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों के माध्यम से पशुपालकों के दुधारू प्रजनन योग्य पशुओं में कृत्रिम रूप से प्रजनन की सुविधा पशुपालक के द्वार पर उपलब्ध कराई जा रही है। वित्तीय वर्ष 2003–04 से यह कार्य उत्तराखण्ड लाइवस्टाक डेवलेंपमेंन्ट बोर्ड द्वारा सम्पादित किया जा रहा है तथा जिला योजना से स्वीकृत धनराशि विभाग द्वारा अग्रिम आहरण कर उत्तराखण्ड लाईवस्टाक डेवलपमेंट बोर्ड, देहरादून को उपलब्ध कराई जा रही है।

3. भेड़ एवं ऊन विकास–

3.1. भेड़ों को परजीवी कीटाणुओं से बचाव के लिये उन्हें सामूहिक रूप से दवापान–

भेड़पालकों की भेड़ें चरान, चुगान के लिए निरन्तर जंगलों में बहुत दूर–दूर तक जाती हैं, जहॉ उनमें परजीवी कृमियों का प्रकोप हो जाता है जो भेड़ों के पेट में जाकर भेड़ों को अस्वस्थ कर देते हैं, जिससे भेड़ें दिन प्रतिदिन कमजोर होने के कारण जहॉ उनकी उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है वहीं उनकी मृत्यु भी हो जाती है। विभाग द्वारा इस समस्या के निदान के लिए उन्हें सामूहिक रूप से कृमिनाशक दवा पिलाकर परजीवी कृमियों से बचाव के प्रयास किये जाते हैं।

3.2. बकरा सांडों का वितरण–

उत्तराखण्ड राज्य में बकरी पालकों की संख्या काफी अधिक है तथा बकरी पालन पशुपालक के आय का मुख्य श्रोत भी है, परन्तु एक ही प्रकार की प्रजाति से वह अपनी आजीविका हेतु आय में पर्याप्त बृद्धि नहीं कर पा रहे हैं। अतः बरबरी/जमुनापारी बकरा सांड क्रय कर वितरित करने की योजना जनपद पिथौरागढ़ में चलाई जा रही है।

4. अन्य पशुधन विकास–

4.1. ग्राम्य और प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदर्शनियों का आयोजन–

आधुनिकतम पशुपालन कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार करने तथा पशुपालन के प्रति लोगों की अभिरूचि जागृति करने के उद्धेश्य से प्रायः सभी जनपदों में होने वाले मेलों तथा अन्य राष्ट्रीय उत्सवों पर जिला प्रशासन द्वारा पशु प्रदर्शनियों के आयोजन पर बल दिया जाता है। अतः प्रत्येक जनपद में होने वाले मेलों तथा अन्य राष्ट्रीय पर्वों में विभाग द्वारा चलायी जा रही आधुनिक तकनीकी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ–2 पशु प्रदर्शनियों के आयोजन हेतु योजना चलाई जा रही है।

4.2. रोजगारपरक कार्यक्रम–(कुक्कुट पालन इकाईयों की स्थापना) –

अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने/स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दृष्टि से 50 एक दिवसीय कुक्कुट चूजों की क्षमता की एक कुक्कुट इकाई शत प्रतिशत अनुदान पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों को उपलब्ध करायी जाती है। योजना का मुख्य उद्धेश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। कुक्कुट पालन को बढ़ावा देने हेतु वर्तमान में संचालित 03 कुक्कुट प्रक्षेत्रों को बढ़ाकर 07 किया जा रहा है, जिससे राज्य के समस्त कुक्कुट पालकों को उनके निकटस्थ स्थान पर कुक्कुट चूजे प्राप्त हो सकें और वे स्वरोजगार को और अधिक गति से अपना सकें।

5. चारा विकास–

5.1. पर्वतीय क्षेत्र में चारा विकास कार्यक्रम का सघनीकरण एवं विकास–

पर्वतीय क्षेत्र की विषम भौगोलिक स्थिति के कारण यहां पर पशुओं के लिये उन्नत चारे की समस्या को देखते हुये विभाग द्वारा उन्नत प्रजाति के चारा बीज क्रय कर पशुपालकों को वितरित कराया जाता है ताकि पशुपालक वर्षभर पौष्टिक हरा चारा उत्पादित कर अपने पशुओं को खिलाकर उनसे अपेक्षित उत्पादन प्राप्त कर सकें।

ब–राज्य सेक्टर योजना–

1. प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण–

सेवारत विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशिक्षित कर उनकी तकनीकी दक्षता/कार्यकुशलता में आधुनिक परिवेश के अनुसार में बृद्वि लाने के उद्देश्य से योजना चलाई जा रही है।

2.पशुचिकित्सालयों पर शल्य चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था–

प्रदेश में राजकीय पशुचिकित्सालयों में पशुपालकों के अति गम्भीर बीमार पशुओं की गहन/शल्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जनपद–ऊधमसिंहनगर, पिथौरागढ़, चम्पावत, देहरादून, तथा हरिद्वार, के एक–एक पशु चिकित्सालयों में शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु योजना संचालित है।

3. पशु चिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना–

मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा पर अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर पशु चिकित्सा संबंधी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 110 असंतृप्त न्याय पंचायतों पर पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना की गयी है। न्याय पंचायत स्तर पर पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना से पशुपालकों के बहुमूल्य पशुधन को निकटस्थ स्थान पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

4.राज्य सैक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य–

पशुपालन विभाग का पुनर्गठन ढांचा स्वीकृत हो चुका है। नवसृजित निदेशालय तथा निदेशालय में कार्यरत कार्मिकों के आवासीय एवं अनावासीय भवनों हेतु विभाग के पास उपलब्ध विभागीय भूमि में भवनों के निर्माण करने के उद्धेश्य से योजना संचालित है।

5. पशुचिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण–

मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा पर अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर पशु चिकित्सा संबंधी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु स्वीकृत पशु सेवा केन्द्रों को विभागीय भवनों में व्यवस्थित कर उचित चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु योजना संचालित की जा रही है।

6. पशुचिकित्सालयों पर शल्य चिकित्सालयों का निर्माण–

प्रदेश में 8 जनपदों के एक–एक पशुचिकित्सालय में अति गम्भीर बीमार पशुओं की गहन/शल्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध करानें हेतु प्रथम चरण में शल्य चिकित्सालयों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

7. पशुलोक प्रक्षेत्र पर व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु डेयरी यूनिट की स्थापना–

पशुलोक प्रक्षेत्र के अन्तर्गत कार्यरत पशुधन प्रसार अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र एवं सेवा कालीन प्रशिक्षण केन्द्रों पर समय–समय पर प्रशिक्षणरत प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से एक डेयरी यूनिट की स्थापना की गई है।

8. उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड–

उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड के संचालन हेतु आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तथा बोर्ड में तैनात महानुभावों को आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से योजना चलाई जा रही है।

9. पशुओं को संक्रामक रोगों से बचाने की योजना–

पशुओं में होने वाले अल्प समय में सूचित विभिन्न संक्रमित रोगों पर नियंत्रण पाने तथा संक्रमित रोग से अन्य पशुओं को बचाने हेतु आवश्यक वैक्सीन आदि क्रय कर स्थिति पर नियंत्रण रखना तथा पशुओं को संक्रमण से बचाने हेतु योजना संचालित है।

10. राज्य में गोसदनों की स्थापना–

राज्य में आवारा, निशक्त, बीमार ऐसे पशु जो खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं तथा यातायात बाहुल्य क्षेत्रों में इधर उधर घूमने के कारण दुर्घटनाओं को जन्म देते हैं ऐसे पशुओं को क्रूरता एवं बर्वरता से बचाने के लिये उचित शरणस्थली (धर्मभीरू एवं गौ सेवा में रत स्वयं सहायता समूह की सहायता कर) बनाये जाने के उद्धेश्य से योजना चलाई जा रही है।

12. बकरी पालन ईकाई की स्थापना–

अनुसूचित जाति व जनजातियों के लोगों को 10 मादा व 1 नर की इकाई उपलब्ध कराकर बकरी पालन में स्वरोजगार प्रदान कराने हेतु नई योजना जिसमें 250 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा प्रस्तावित है।

13. भेड पालन ईकाई की स्थापना–

अनुसूचित जाति व जनजातियों के लोगों को 10 मादा व 1 नर की ईकाई उपलब्ध कराकर भेड पालन में स्वरोजगार प्रदान कराने हेतु नई योजना जिसमें 140 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा प्रस्तावित है।

14 गौ पालन ईकाई की स्थापना–

अनुसूचित जाति व जनजातियों के लोगों को एक गौ पालन ईकाई उपलब्ध कराकर गौ पालन में स्वरोजगार प्रदान कराने हेतु नई योजना जिसमें 1300 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा प्रस्तावित है।

16. विकास खण्डवार चारा बैंकों/स्टोरों की स्थापना–

प्रदेश में पशुओं के लिये चारे की कमी को दूर करने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक विकास खण्ड में एक एक चारा बैंक (भण्डारण/वितरण गृह) स्थापित करने हेतु योजना संचालित है। योजना का उद्धेश्य पशुपालकों के पशुओं को सुपाच्य संपीडित पौष्टिक पशु आहार काम्पैक्ट फीड ब्लाक के रूप में उपलब्ध कराकर चारे की कमी को दूर करना है।

17. भैसवाडा प्रक्षेत्र के पहुॅच मार्ग का पुननिर्माण एवं सुदृढ़ीकरण–

प्रक्षेत्र के पहुॅच मार्ग जो कि जीर्णशीर्ण अवस्था में है का सुदृढीकरण /पुनःनिर्माण किया जाना है।

स–केन्द्र पोषित योजनायें–

1. राज्य पशु चिकित्सा परिषद–

इस योजना का उद्धेश्य भारतीय पशु चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 के प्रावधानों के अनुसार पशु चिकित्सा व्यवसाय को विनियमित करना तथा पशु चिकित्सा व्यवसायियों का पंजीकरण करना है। भारत सरकार की 50 प्रतिशत सहायता से उत्तराखण्ड राज्य पशु चिकित्सा परिषद की स्थापना की गयी है।

2. उत्तराखण्ड राज्य में आर.पी. एवं पी.पी.आर. रोग पर नियंत्रण की योजना (100 प्र0के0पो0)–

पशुओं में रेन्डरपेस्ट एवं पी.पी.आर. रोग अत्यन्त घातक रोग है जिससे पशुओं की अल्प समय में ही मृत्यु हो जाती है। योजना का उद्धेश्य पशु प्लेग तथा संक्रामक बोवाइन प्लेरो–न्यूमोनिया का उन्मूलन करना तथा अंतर्देशीय देश इपीजूटिस कार्यालय पेटिस द्वारा निर्धारित पाथवे का अनुपालन करना है। भारत सरकार द्वारा यद्यपि देश को आर.पी.रोग से मुक्त घोषित कर दिया गया है, परन्तु देश में यह रोग पैदा न होने पाये इसलिये इस रोग पर निरंतर निगरानी रखने के लिये इसके सर्विलेंन्स का कार्यक्रम चलाया गया है।

3. पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (75 प्रतिशत केन्द्र पोषित)–

पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों पर नियंत्रण हेतु भारत सरकार की 75 प्रतिशत सहायता के अन्तर्गत योजना संचालित है। योजनान्तर्गत पशुओं को टीकाकरण, पशु चिकित्सा जैवकीय उत्पादन यूनिटों तथा रोग निदान प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण, कार्यशालाओं/सेमिनारों के आयोजन, ब्लाक/जनपद स्तरीय जागरूकता गोष्ठियों के साथ–साथ सेवाधीन प्रशिक्षण दिया जाता है।

4. पशु रोग सूचना तंत्र का संचालन (100 प्रतिशत केन्द्र पोषित)

पशुओं में होने वाली असामयिक संक्रामक बीमारियों पर त्वरित नियंत्रण व सूचना के आदान प्रदान हेतु भारत सरकार द्वारा एन.आई.सी. के माध्यम से विकास खण्ड जनपद तथा राज्य मुख्यालयों को कम्प्यूटरीकृत करते हुए वी.पी.एन. से संयोजित किया गया है, योजना का उद्धेश्य बीमारियों पर त्वरित नियंत्रण व सूचनाओं का आदान प्रदान करना है।

5. वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण (75 प्रतिशत केन्द्र पोंषित)

भारत सरकार द्वारा पशु स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजनान्तर्गत वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं औषधालयों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण हेतु एक योजना प्रारम्भ करते हुए प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने हेतु दिशा निर्देश जारी किये गये थे। राज्य के 10 पशु चिकित्सालयों एवं 19 पशु औषधालयों के नवनिर्माण एवं 24 पशु चिकित्सालयों एवं 17 पशु औषधालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किया गया था। भारत सरकार द्वारा योजना अनुमोदित की जा चुकी है।

6. कुक्कुट विकास विपणन तथा प्रसार एजेंसी (80 प्रतिशत केन्द्र पोंषित)

राज्य में कुक्कुट पालन स्वरोजगार का प्रमुख साधन है। राज्य के अंतर्गत अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के व्यक्तियों को 50 एक दिवसीय कुक्कुट चूजों की एक इकाई निःशुल्क उपलबध कराई जाती है। कुक्कुट पालकों को निकटतम कुक्कुट प्रक्षेत्र से कुक्कुट चूजे उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार से अनुमोदित कुक्कुट विकास विपणन तथा प्रसार एजेंसी योजना संचालित करवाई जा रही है।

7. इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट आफ स्माल रूमीनेंट एण्ड रैबिट्स (100 प्रतिशत केन्द्र पोंषित)

भारत सरकार की शत प्रतिशत सहायता से रैम्बुलेट एवं कश्मीर मैरिनो भेड़ों के प्रवेशण एवं प्रसार से प्रदेश के भेड़ फार्मों के भेड़ों की नस्ल सुधार के साथ–साथ भेड़ों में कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम प्रारम्भ किया जा रहा है तथा भेड़पालन के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु भेड़ प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना है।

8. ग्रासलैण्ड एवं ग्रास रिजर्व की योजना (100 प्रतिशत केन्द्र पोंषित)

पर्वतीय क्षेत्र में चारे की अत्यधिक कमी है। पशुपालक के बहुमूल्य पशुधन को वर्षभर मौसमी हरा चारा उपलब्ध नहीं हो पाता है, जिससे पशुधन के उत्पाद में प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पशुपालक के पशुधन को मौसमी हरा चारा उपलब्ध कराने हेतु 11 पर्वतीय जनपदों के 46 वन पंचायतों की 05–05 हैक्टेयर भूमि में मौसमी चारा बीज जड़ों का रोपण कर चारे की कमी दूर करने हेतु भारत सरकार से धनराशि अवमुक्त करवाई गई है। कार्यवाही गतिमान है।

9. चैफकटर योजना–

चारे की बर्वादी रोकने व पशुओं हेतु चारा सुपाच्य बनाने के उद्देश्य से 1530 चैंफकटर 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराने हेतु योजना चलाई जा रही है।

10. प्रदेश में पशुगणना कार्य(100 प्र0के0पो0)–

भारत सरकार की 100 प्रतिशत सहायता से भारत सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य में पाले जा रहे बहूमूल्य पशुधन की गणना जनपदवार, ब्लाकवार, ग्रामवार तथा परिवारवार आंकड़ों का संकलन किया जाता है। वर्तमान में 19वीं पशुगणना भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार पूर्ण हो चुकी है।

11. पशुपालन निदेशालय में सांख्यिकीय प्रकोष्ठ की स्थापना (50 प्रतिशत केन्द्र पोंषित)

पशुपालन विभाग का सांख्यिकीय प्रभाग दूध, अण्डा, मॉस तथा ऊन जैसे प्रमुख पशु उत्पाद का अनुमान लगाने के लिए एकीकृत नमूना सर्वेक्षण आयोजित करता है। राज्य में पशुजन्य पदार्थों के उत्पादन के वार्षिक अनुमान निकालने हेतु भारत सरकार की 50 प्रतिशत सहायता से योजना संचालित है।

आयोजनेत्तर योजनायें

1. निदेशन तथा प्रशासन–

विभाग के सभी अवस्थापना संबंधी केन्द्र जैसे पशु चिकित्सालय, पशु सेवा केन्द्र, रोग निदान प्रयोगशालायें, तरल नत्रजन केन्द्र, भेड़ प्रक्षेत्र, भेड़ एवं ऊन प्रसार केन्द्र, अंगोरा शशक प्रक्षेत्र आदि में कार्यरत स्टाफ के वेतन भत्ते एवं विभिन्न संस्थाओं में व्यवस्थित पशुधन के लिए आहार, चारा दाना आदि की व्यवस्था हेतु योजना संचालित है।

2. राज्य पशुधन एवं कृषि संबंधी प्रक्षेत्र–

इस योजना के अंतर्गत कार्यरत पशुधन प्रक्षेत्र, कालसी, भरारीसैंण, आदि प्रक्षेत्रों के अधिष्ठान संबंधी व्यय एवं पशुओं के लिए आवश्यक आहार, चारा दाना आदि की व्यवस्था की जाती है।

पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड का आउटकम बजट वर्ष 2013–14

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
			नानप्लान	प्लान	नानप्लान	प्लान		नानप्लान	प्लान	
1.	प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण	कार्मिकों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर कार्य कुशलता में बृद्धि करना	0.00	10.00		––	निरन्तर		कार्य कुशलता, दक्षता में वृद्धि कर रोग नियन्त्रण व पशु उत्पादकता में वृद्धि कर आय सृजन	निरन्तर
2	पशु चिकित्सालयों में शल्य चिकित्सा आदि की सुविधा	राज्य में गम्भीर रूप से बीमार व दुर्धटनाग्रस्त पशुओं को शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना	0.00	10.00		05 पशु चिकित्सालयों में एक्सरे/ अल्ट्रासाउन्ड आदि सुविधा प्रदान करने हेतु आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था	निरन्तर		असाध्य एवं गम्भीर रोगों कें उपचार /निदान की सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक जनपद में आधुनिक शल्य केन्द्रों की स्थापना करना जिससे पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि हो	निरन्तर
3	पशु चिकित्सालयों/ पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना(रा.सै.)	पशुपालक के पशुओं को सभी विभागीय सुविधायें निकटतम स्थान पर उपलब्ध कराने हेतु कार्मिकों की पदस्थापना	0.00	166.70		110 पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना	निरन्तर		पशुपालकों को अपने निवास के निकट संस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी, तकनीकी सुविधायें उपलब्ध कराकर **''सेवा का सघनीकरण''** करना	निरन्तर
4	पशु चिकित्सा हेतु दवा वैक्सीन आदि क्रय/ शिविरों का आयोजन	पशुओं की चिकित्सा, रोग नियंत्रण, एवं बांझपन निवारण शिविरों का आयोजन	0.00	266.00		चिकित्सा 34.00 लाख पशु टीकाकारण 26 लाख में 1350 बांझपन निवारण शिविरों का आयोजन	निरन्तर		1. प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना 2. बांझपन निवारण द्वारा गर्भाधान प्रतिशत बढाना 3. पशुओं की चिकित्सा कर उनकी उत्पादकता बढाना	निरन्तर

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
			नानप्लान	प्लान	नानप्लान	प्लान		नानप्लान	प्लान	
5	पशु चिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना (जि0सै0)	पशुपालक के पशुओं को सभी विभागीय सुविधायें निकटतम स्थान पर उपलब्ध कराने हेतु कार्मिकों की पदस्थापना	0.00	315.22		23 पशु चिकित्सालय एवं 40 पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना	निरन्तर		पशुपालकों को अपने निवास के निकट संस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी, समस्त पशुओं को तकनीकी सुविधायें उपलब्ध कराकर **"सेवा का सघनीकरण"** करना (जनसख्या /अस्पताल)	निरन्तर
6	राज्य सैक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य	नवसृजित निदेशालय के कार्यालय/आवासीय भवन की व्यवस्था	0.00	100.00		पशुपालन निदेशालय के का प्रशासनिक भवन व मण्डल स्तरीय कार्यालयों का भवन निर्माण	एक वर्ष		किराये की बचत	एक वर्ष
7	पशु चिकित्सालयों, पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (रा.सै.)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा /आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना	0.00	80.00		06 पशु सेवा केन्द्रों को विभागीय भवनों में व्यवस्थित करना	एक वर्ष		विभागीय भवनों में आधुनिक उपकरण स्थापित कर आधुनिक चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना	एक वर्ष
8	पशु चिकित्सालयों व पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (जि0सै0)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा/आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना	0.00	409.70		11 पशु चिकि0 11 प0से0के0	एक वर्ष		विभागीय भवन के निर्माण के फलस्वरुप पशुपालकों को 24 घण्टे सुविधा उपलब्ध कराना। (:)	एक वर्ष
9	पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेयरी यूनिट की स्थापना	प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना	0.00	2.00		64 गायों की डेयरी यूनिट की स्थापना	निरन्तर		105 प0प्र0अ0 को तकनीकी व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।	निरन्तर

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
			नानप्लान	प्लान	नानप्लान	प्लान		नानप्लान	प्लान	
10	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना	प्रदेश के पशुओं में नस्ल सुधार कर उत्तम नस्ल संतति उत्पन्न करना	0.00	1.90		4.00 लाख पशुओं को कृत्रिम गर्भाधान	निरन्तर		प्रदेश में उत्तम नस्ल की संतति में वृद्धि कराना	निरन्तर
11	भेड़ों में परजीवी कीटाणुओं से बचाव हेतु सामूहिक रूप से औषधि पिलाने की योजना	भेड़ों में सामूहिक दवापान से परजीवियों से मुक्त करना	0.00	45.00		5.50 लाख भेड़ों का दवापान कराना	निरन्तर		दवापान से मॉस एवं ऊन की गुणवत्ता एवं उत्पादन में वृद्धि करना	निरन्तर
13	दारिन्दा पद्धति पर निःशुल्क बकरा सांड वितरण की योजना	बकरियों में नस्ल सुधार	0.00	13.96		213 बकरा सांडों का वितरण	निरन्तर		उत्तम नस्त की बकरियों की संतति उत्पन्न कर माँस उत्पादन में वृद्धि क करना (:) जिससे खद्य समस्या का समाधान करना	निरन्तर
14	पशुओं को विभिन्न रोगों के संक्रमण से बचाने की योजना	पशुपालक के पशुओं का संक्रामक बीमारियो से बचाव तथां रोग नियंत्रण	0.00	10.00		वृहत टीकाकरण कर संक्रामक रोगों से बचाव	निरन्तर		प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना	निरन्तर
15	गौसदनों की स्थापना–	निरासित/आवारा पशुओं को संरक्षण प्रदान करना	0.00	10.00		विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, गौसदनों के पशुओं के भरण पोषण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना।	निरन्तर		बीमार, असक्त, पशुओं को उचित शरणस्थली प्रदान करना तथा दुर्धटना आदि को रोकना जनस्वास्थ्य एवं यातायात को प्रभावित होने से रोकना	निरन्तर
16	गौ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान की स्थापना	गौ सम्वर्द्धन हेतु संस्थान की स्थापना	0.00	0.01					गो वंश को संरक्षण एवं वृद्धि के द्वारा रोजगार एवं आय में वृद्धि	

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
			नानप्लान	प्लान	नानप्लान	प्लान		नानप्लान	प्लान	
17	ग्राम्य प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदर्शनियों का आयोजन	पशुपालकों को पशुपालन के प्रति जागरूक करना तथा ग्रामवासियों को पशुपालन की ओर आकृष्ट करना एवं पशुपालन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करना	0.00	6.50		26 पशु प्रदर्शनियॉ	निरन्तर		पशुपालकों को नवीन /आधुनिक तकनीकी से पशुपालन की जानकारी देना जिससे अधिक उत्पादन प्राप्त हो	निरन्तर
18	स्वरोजगार कुक्कुट पालन इकाइयों की स्थापना	कुक्कुट पालन के माध्यम से पशुपालक को स्वरोजगार उपलब्ध कराना	0.00	130.00		11630 कुक्कुट इकाईयों की स्थापना	निरन्तर		पशुपालक की आय वृद्धि (:) प्रत्यक्ष रोजगार सृजन करना (:) भोजन हेतु प्रोटीन की उपलब्धता सुनिश्चित करना	निरन्तर
19	बकरी पालन योजना		0.00	47.60		260 लाभार्थियों को बकरी पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराया जायेगा	निरन्तर		बकरी पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्वि करना	
20	भेड पालन योजना		0.00	25.90		140 लाभार्थियों को भेड़ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराया जायेगा			भेड पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना साथ ही ऊन में वृद्वि करना	निरन्तर
21	गौ पालन योजना		0.00	136.80		1300 लाभार्थियों को गौ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराया जायेगा			गौ पालन को बढावा देना व दुग्ध उत्पादन में बृद्वि करना	

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
			नानप्लान	प्लान	नानप्लान	प्लान		नानप्लान	प्लान	
22	ब्लाक स्तर पर चारा बैक/स्टोर की स्था.	पशुओं की पौष्टिक सुपाच्य चारा उपलब्ध कराना	0.00	338.00		26 उप चारा बैकों की स्थापना	निरन्तर		पशुओं को संतुलित आहार उपलब्ध कराकर उत्पादन/आय वृद्वि	निरन्तर
23	चरा विकास कार्यक्रम का सघनीकरण	पशुपालकों के पशुओं हेतु चारे की व्यवस्था	0.00	30.00		बहुवर्षीय चारा जड,बीज आदि का वितरण	निरन्तर		चारा उत्पादन से प्रदेश में 45 प्रतिशत चारा कमी का 36 प्रतिशत होना	निरन्तर
24	भैंसवाडा		0.00	25.00						
25	उत्तरांचल पशुचिकित्सा परिषद – 50प्र.के.पों	राज्य में पशु चिकित्साविदों का पंजीकरण कार्य करना	0.00	34.25		उत्तराखंड के पशु चिकित्साविदों का पंजीकरण कर पशुपालकों को स्तरीय पशुचिकित्सा सेवा देना	निरन्तर		स्वाओं को सुव्यवस्थित करना	निरन्तर
26	रिन्डरपेंस्ट उन्मूलन योजना (100 प्र.के.पो.	रिन्डरपेस्ट रोग की उन्मूलन तथा सर्विलेंश करना	0.00	9.50		रोग उन्मूलन तथा सर्विलेंस कार्यक्रम	निरन्तर		प्रदेश को आर.पी. रोग से मुक्त रखना (शून्य इन्सीडेन्स)	निरन्तर
27	पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (75 प्र. के.पो)	पशुओं हेतु विभिन्न रोगों से बचाव हेतु वैक्सीन का क्रय/ गोष्ठियों का आयोजन	0.00	230.00		190 ब्लाकस्तर एवं 13 जनपद स्तरीय गोष्ठियों का आयोजन	निरन्तर		1. प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना। 2. पशुओं को रोगों से चिकित्साकर उनका उत्पादन बढाना	निरन्तर
28	पशु रोग सूचना तंत्र (100प्र.के.स)	ब्लाक स्तर से राष्ट्र स्तर पर सूचनाओं का इन्टरनेट के माध्यम से प्रेषण	0.00	5.00		95 ब्लाकस्तरीय 13 जनपदस्तरीय 02 राज्य स्तरीय कार्यालयों में वी.पी. एन. सुविधायुक्त कम्प्यूटर कराये गये	निरन्तर		त्वरित सूचनाओं को संवहन तथा शीघ्र रोग की रोकथाम	निरन्तर

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
			नानप्लान	प्लान	नानप्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
29	वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण	विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवन में व्यवस्थित करना एवं वर्तमान भवनों का सुदृढ़ीकरण	0.00	50.00		पशु चिकि0 प0 औषधालयों के भवन निर्माण /सुदृढ़ीकरण	निरन्तर		पशुपालक कों आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना	निरन्तर
30	पशुगणना का कार्य(100प्र.के.पो.)	पशुगणना संबंधी कार्यों का सम्पादन	0.00	30.00		राज्य में पशुगणना का कार्य सम्पादन	निरन्तर		विभिन्न कार्यकमों हेतु आंकडे जुटाना तथा उनका उपयोग करना	निरन्तर
31	सांख्यिकीय इकाई की स्थापना (50प्र. के.पो.)	पशुजन्य पदार्थों के अनुमान निकालना	0.00	105.99		पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना	निरन्तर		योजनाओं के आधारभूत आंकडें जुटा कर भविष्य की योजनायें बनाना	निरन्तर
32	इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट आफ स्माल रूमीनेंट एंड रैबिट्स–100प्र. के.पो.	अन्तः प्रजनन को रोकना, एवं भेड़पालकों को प्रशिक्षण	0.00	0.00		भेड़ों में नस्ल सुधार एव भेड़ों में कृ0 गर्भा0	निरन्तर		इनब्रीडिंग को रोकना एवं नस्ल सुधार	निरन्तर
33	चारा घास एवं घास रिजर्व की योजना– 100 प्र.के.पो.	सामूदायिक/वन भूमि में चारा जड़ों आदि का रोपण व चारा उत्पादन	0.00	140.00		11 पर्वतीय जनपदों के 58 वन भूमि में चारा उत्पादन	निरन्तर		चारा उपलब्ध कराकर उत्पादन /आय में वृद्धि	निरन्तर
34	चैफकटर		0.00	30.01						

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
			नानप्लान	प्लान	नानप्लान	प्लान		नानप्लान	प्लान	
35	निदेशालय	विभागीय संस्थाओं हेतु औषधि/पशुधन हेतु आहार आदि की व्यवस्था तथा राज्य मण्डल तथा जनपद स्तरीय कार्यालयों के कार्यों का संचालन	10237.21		कार्मिकों को नियमित वेतन के अतिरिक्त पशुओं में 34.00 लाख चिकित्सा 27.00 लाख टीकाकरण के साथ–2 पशुपालक को उच्च गुणवत्ता परक भेड़,सूकर, आदि पशुधन उपलब्ध कराना तथा विभागीय संस्थाओं का संचालन		निरन्तर	पशु रोग पर प्रभावी नियन्त्रण एवं उन्नत तकनीकी द्वारा पशुपालन के फलस्वरुप उत्पादकता में वृद्धि करना		निरन्तर
36	राज्य पशुधन एवं कृषि संबंधी प्रक्षेत्र	02 पशुधन प्रक्षेत्रों के पशुओं हेतु आवश्यक दवा आदि की व्यवस्था	368.10		कार्मिकों को नियमित वेतन के अतिरिक्त प्रक्षेत्रों को सुदृढ करना जिससे पशुपालकों को मॉडल यूनिट के रुप में भ्रमण /प्रशिक्षण हेतु विकसित करना		निरन्तर	कृषि प्रक्षेत्रों से चारा बीज /जडों की उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं उत्तम नस्ल के सांड /बकरा सांड पशुपालकों हेतु उपलब्ध कराना		निरन्तर
	योग–		**10605.31**	**2815.04**						
	सम्पूर्ण योग		**10605.31**	**2815.04**						

पशुपालन विभाग,उत्तराखण्ड का आउटकम बजट 2012–13

क्र0स0	योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		लक्षित आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)	आउटकम		लक्षित आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)
			नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
1.	प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण	कार्मिकों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर कार्य कुशलता में बृद्धि करना	0.00	5.00	0.00	5.00	97 प0चि0अ0की दक्षता/कलाकौशलता में वृद्वि हेतु प्रशिक्षण दिया गया।		दक्षता में बृद्वि कार्यो का त्वरित निस्तारण	
2	पशु चिकित्सालयों में शल्य चिकित्सा आदि की सुविधा	राज्य में गम्भीर रूप से बीमार व दुर्धटनाग्रस्त पशुओं को शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना	0.00	14.00	0.00	14.00	05 संस्थाओं में शल्य चिकित्सा प्रारम्भ		शल्य चिकित्सा उपलब्ध कराकर ईलाज करना	
3	पशु चिकित्सालयों / पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना(रा.सै.)	पशुपालक के पशुओं को सभी विभागीय सुविधायें निकटतम स्थान पर उपलब्ध कराने हेतु कार्मिकों की पदस्थापना	0.00	168.28	0.00	168.28	पशुचिकित्सा–27.06 लाख टीकाकरण–15.81 लाख वधियाकरण–0.91 लाख		बीमारी कम करना	40 प्रतिशत
4	पशु चिकित्सा हेतु दवा वैक्सीन आदि क्रय/ शिविरों का आयोजन	पशुओं की चिकित्सा, रोग नियंत्रण, एवं बांझपन निवारण शिविरों का आयोजन	0.00	265.40	0.00	265.40	पशुचिकित्सा27.06 लाख टीकाकरण–15.81 लाख वधियाकरण–0.91 लाख बांझपन शिविर–1508 दुग्ध समिति–1216		बीमारी कम करना	40 प्रतिशत

क्र0 स0	योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		लक्षित आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)	आउटकम		लक्षित आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)
			नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
5	पशु चिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना (जि0सै0)	पशुपालक के पशुओं को सभी विभागीय सुविधायें निकटतम स्थान पर उपलब्ध कराने हेतु कार्मिकों की पदस्थापना	0.00	274.81	0.00	274.81	पशुचिकित्सा–27.06 लाख टीकाकरण–15.81 लाख वधियाकरण–0.91 लाख		बीमारी कम करना	पशुपालक को निकटतम स्थान पर पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना
6	राज्य सैक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य	नवसृजित निदेशालय के कार्यालय/आवासीय भवन की व्यवस्था	0.00	100.00	0.00	100.00	निदेशालय प्रशासन भवन का निर्माण		विभागीय कार्यो की गति प्रदान करना	
7	पशु चिकित्सालयों पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (रा.सै.)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा /आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना	0.00	80.00	0.00	80.00	08 संस्थाओं का अवशेष निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया		विभागीय भवन से उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना	विभागीय भवनों को राजकीय भवनों में व्यवस्थित कर उचित चिकित्सा प्रदान करना
8	पशु चिकित्सालयों व पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (जि0सै0)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा/आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना	0.00	500.00	0.00	500.00	पशुचिकित्सालय –5 पशुसेवा केन्द–7		विभागीय भवन से उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना	विभागीय भवनों को राजकीय भवनों में व्यवस्थित कर उचित चिकित्सा प्रदान करना
9	पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेयरी यूनिट की स्थापना	प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना	0.00	6.00	0.00	6.00	96 प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण 37795.9 कि0 दुग्ध उत्पादन		18 गायों से संचालित	96 प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर तकनीकी ज्ञान में वृद्धि

क0 स0	योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		लक्षित आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)	आउटकम		लक्षित आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)
			नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
10	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना	प्रदेश के पशुओं में नस्ल सुधार कर उत्तम नस्ल संतति उत्पन्न करना	0.00	1.84	0.00	1.84	33 केन्द्रों की स्थापना कृत्रिम गर्भाधान केन्दो की स्थापना–3.73 कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न संतति–1.61		नस्लन सुधार एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्वि	प्रदेश में उत्तम नस्ल की संतति में बृद्धि करना
11	वर्णशंकर बछियों को पुरस्कृत करने की योजना	नस्ल सुधार एवं कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देना	0.00	18.00	0.00	18.00	279 लाभार्थी			कृत्रिम गर्भाधान के प्रति लोगों को जागरूक करना व नस्ल सुधार
11	भेड़ों में परजीवी कीटाणुओं से बचाव हेतु सामूहिक रूप से औषधि पिलाने की योजना	भेड़ों में सामूहिक दवापान से परजीवियों से मुक्त करना	0.00	44.00	0.00	44.00	3.73 भेडों को दवापान 1.61 भेडों में दवास्नान		ऊन उत्पादन एंव मांस में बृद्वि	मॉस एवं ऊन की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में वृद्धि
12	दारिन्दा पद्धति पर निःशुल्क बकरा सांड वितरण की योजना	बकरियों में नस्ल सुधार	0.00	9.48	0.00	9.48	141 बकरा सांड वितरित व नस्ल सुधार			बकरियों की नस्ल सुधार से मॉस उत्पादन में वृद्धि
13	पशुओं को विभिन्न रोगों के संक्रमणसे बचाने की योजना	पशुपालक के पशुओं का संक्रामक बीमारियो से बचाव तथां रोग नियंत्रण	0.00	7.00	0.00	7.00	वृहत टीकाकरण		रोग उन्मूलन	संक्रमित रोगों से पशुओं का बचाव
14	गौसदनों की स्थापना–	निरासित/आवारा पशुओं को संरक्षण प्रदान करना	0.00	15.00	0.00	15.00	17 संस्थाओं को भरण पोषण हेतु आर्थिक सहायता			गौसदनों में पाले जा रहे पशुधन के भरण पोषण हेतु सहायता
15	गौ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान की स्थापना	गौ सम्वर्द्धन हेतु संस्थान की स्थापना	0.00	0.01	0.00	0.01				

क्र0 स0	योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		लक्षित आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)	आउटकम		लक्षित आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)
			नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
16	ग्राम्य प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदर्शनियों का आयोजन	पशुपालकों को पशुपालन के प्रति जागरूक करना तथा ग्रामवासियों को पशुपालन की ओर आकृष्ट करना एवं पशुपालन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करना	0.00	5.50	0.00	5.50	5		पशुपालकों को पशुपालन कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करना	पशुपालकों को नवीन/ आधुनिक तकनीक की जानकारी प्रदान करना
17	स्वरोजगार कुक्कुट पालन इकाइयों की स्थापना	कुक्कुट पालन के माध्यम से पशुपालक को स्वरोजगार उपलब्ध कराना	0.00	100.00	0.00	100.00	2808		स्वरोजगार के साथ–2 प्रोटीन युक्त भोजन उपलब्ध कराना	पशुपालक को पशुपालन में स्वरोजगार प्रदान करना व प्रोटीन युक्त भोजन उपलब्ध कराना
18	ब्लाक स्तर पर चारा बैक/स्टोर की स्था.	पशुओं की पौष्टिक सुपाच्य चारा उपलब्ध कराना	0.00	170.00	0.00	170.00	96418 काम्पैन्ट फीडब्लाक 18206 चाटन भेली			पशुपालक को निकटस्थ स्थान पर संपीडित सुपाच्य आहार उपलब्ध कराना
19	चारा विकास कार्यक्रम का सघनीकरण	पशुपालकों के पशुओं हेतु हरे चारे की व्यवस्था	0.00	24.03	0.00	24.03	782.66 कु0 3725 किट		दुग्ध उत्पादन में बृद्वि व सुपाच्य हरा चारा उपलब्ध कराना	पशुपालकों को वर्षभर हरा चारा उपलब्ध कराकर पशु उत्पादकता बढ़ाना
20	भैंसवाडा प्रक्षेत्र के पहुॅच मार्ग का पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण		0.00	30.00		30.00				
21	उत्तरांचल पशुचिकित्सा परिषद – 50प्र. के.पों	राज्य में पशु चिकित्साविदों का पंजीकरण कार्य करना	0.00	49.31	0.00	49.31	40 प.चि.अ. का पंजीकरण किया गया			अकुशल चिकित्सकों से पशुपालकों को निजात दिलाना

क0 स0	योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		लक्षित आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)	आउटकम		लक्षित आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)
			नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
22	रिन्डरपेंस्ट उन्मूलन योजना (100 प्र.के. पो.	रिन्डरपेस्ट रोग की उन्मूलन तथा सर्विलेंश करना	0.00	10.00	0.00	10.00	ग्राम सर्वेक्षण		आर.पी.रोग का पूर्ण उन्मूलन	रोग सर्वेक्षण
23	पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (75 प्र.के.पो)	पशुओं हेतु विभिन्न रोगों से बचाव हेतु वैक्सीन का क्रय/ गोष्ठियों का आयोजन	0.00	230.89	0.00	230.89	टीकाकरण–15.81 ब्लाक स्तरीय कैम्प–190 ज्नपद स्तरीय कैम्प–13		रोग नियन्त्रण	मौसमी टीकाकरण कर रोग नियंत्रण जागरूकता शिविर व आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देना
24	पशु रोग सूचना तंत्र (100प्र.के.स)	ब्लाक स्तर से राष्ट्र स्तर पर सूचनाओं का इन्टरनेट के माध्यम से प्रेषण	0.00	5.00	0.00	5.00	95 ब्लाक, 13 जनपद व राज्य मुख्यालय का इंटरनेट से संयोजन		सूचनाओं का त्वरित संवहन	सूचनाओं का त्वरित संवहन
25	वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण	विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवन में व्यवस्थित करना एवं वर्तमान भवनों का सुदृढ़ीकरण	0.00	350.00	0.00	350.00	29 सस्थाओं का सुदृढीकरण कार्य प्रस्तावित		आधुनिकतम उपकरणों से चिकित्सा सुविधा प्रदान करना	पशुपालकों को आधुनिकतम उपकरणों से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना
26	कुक्कुट विकास विपणन एवं प्रसार एजेंसी	कुक्कुट व्यवसाय को प्रोत्साहित करने हेतु स्थापित	0.00	0.01	0.00	0.01				
26	पशुगणना का कार्य(100प्र.के.पो.)	पशुगणना संबंधी कार्यों का सम्पादन	0.00	180.04	0.00	180.04	19वी पशुगणना का कार्य सम्पन्न		पंचवर्षीय पशुगणना का कार्य का सम्पादन	पशुगणना से विभिन्न आंकड़ों से भविष्य की योजना बनाना
27	सांख्यिकीय इकाई की स्थापना (50प्र. के.पो.)	पशुजन्य पदार्थों के अनुमान निकालना	0.00	93.60	0.00	93.60	ऋतुवार अनुमान तैयार करना		अनुमान भारत सरकार को प्रेषित	आधार भूत आंकड़े तैयार करना

क0 स0	योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		लक्षित आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)	आउटकम		लक्षित आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि (Achivement)
			नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
28	इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट आफ स्माल रूमीनेंट एंड रैबिट्स–100प्र.के.पो.	अन्तः प्रजनन को रोकना, एवं भेड़पालकों को प्रशिक्षण	0.00	47.41	0.00	47.41	2 प्रक्षेत्रों का सुदृढीकरण एंव इनब्रीडिंग रोकना भेडों में कृत्रिम गर्भाधान भेडपालकों को प्रशिक्षण		भेडपालकों को स्वरोजगारपरक बनाना	
29	चारा घास एवं घास रिजर्व की योजना– 100 प्र. के.पो.	सामूदायिक/वन भूमि में चारा जड़ों आदि का रोपण व चारा उत्पादन	0.00	190.00	0.00	190	38 वनपंचायतों में हरा चारा उत्पादन		प्रति वन पंचायत 500 टन हरा चारा उत्पादन का लक्ष्य	हरे चारे में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास
30	चैफकटर		0.00	57.38	0.00	57.38	1530 लाथार्थी			
31	निदेशालय	विभागीय संस्थाओं हेतु औषधि/पशुधन हेतु आहार आदि की व्यवस्था तथा राज्य मण्डल तथा जनपद स्तरीय कार्यालयों के कार्यों का संचालन	9325.60	10.00	9325.60	10.00	चिकित्सा टीकाकरण भेड शशक सूकर प्रक्षेत्र भेड एंव ऊन प्रसार केन्द्र में पाले जा रहे पशुधन हेतु आहार आदि की व्यवस्था		मांस– ऊन में– प्रति बृद्वि एंव पशुधन सुरक्षा के साथ इनब्रीडिग रोकना	
32	राज्य पशुधन एवं कृषि संबंधी प्रक्षेत्र	02 पशुधन प्रक्षेत्रों के पशुओं हेतु आवश्यक दवा आदि की व्यवस्था	321.90	0.00	321.90	0.00	02 पशुधन प्रक्षेत्रों एंव 01 बकरी प्रक्षेत्र		दुग्ध उत्पादन में बृद्वि एंव गोमूत्र बिक्री से आर्थी में सुधार	
	सम्पूर्ण योग		**9647.50**	**3061.99**	**9647.50**	**3061.99**				